वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 331 | रविवार 31 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजभवन में राजस्थान स्थापना दिवस का हुआ आयोजन

राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की उपस्थिति में स्थापना दिवस पर कलाकारों ने बिखेरे राजस्थानी संस्कृति के रंग

'पधारो म्हारे देश' की मनुहार करता सुरम्य प्रदेश है राजस्थानः राज्यपाल

कलाकारों ने बिखरे राजस्थान की पारंपरिक संस्कृति के रंग

राजस्थान स्थापना दिवस की शुरूआत कलाकारों ने पारंपरिक राजस्थानी वाद्य यंत्रों के मेल से लंगा, मांगणियार द्वारा बनाई मधुर धुन ''डेजर्ट सिंफनी'' में सजे ''निबुड़ा'' गीत से की। इसमें सिंधी सारंगी, मोरचंग, अलगोजा, खड़ताल, मंजीरा, झांझ आदि का माधुर्य लुभाने वाला था। इसके बाद जयपुर घराने के कथक नृत्य में गणेश वंदना की गई। संस्कृति की विभिन्न छवियों संग बाद में कलाकारों ने पश्चिमी राजस्थान के प्रसिद्ध आंगी गैर की भाव-भरी प्रस्तुति दी। इसमें कलाकारों ने वृताकार घेरे में ढोल थाली की थाप पर हाथ में छड़ियां लिए पारंपरिक परिधानों में गैर खेली। राजस्थान का पारम्परिक घूमर नृत्य और भवाई प्रस्तुत करते कलाकारों ने जहां लोक गीतों संग नृत्य की मोहक छटाएं बिखेरी वहीं सहरिया स्वांग के अंतर्गत कलाकारों द्वारा बॉडी पेंट लगाकर सिर पर पत्तियां ओढ़े किया आदिवासी करतब मोहक था। राजस्थान के पार्मरिक सपेरा समुदाय द्वारा किया जाने वाला कालबेलिया नृत्य के अंतर्गत कलाकारों का अंग विन्यास चकित करने वाला था। कलाकारों ने प्रकृति और जीवन से जुड़े सरोकारों में राजस्थान की धरती से जुड़े शृंगार की इस दौरान भावाभिव्यक्ति की।

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजभवन में शनिवार को राजस्थान का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा सहित प्रदेश के विभिन्न पंथ, मजहब के लोग, गणमान्य जन विशेष रूप से उपस्थित रहे। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के कलाकारों ने इस दौरान गीत, नृत्य, लोक नाट्य की प्रस्तुतियों में राजस्थान की संस्कृति का गौरव गान किया। कलाकारों ने समारोह में राम-वंदना करते हुए मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम की मनोहारी छवि से भी साक्षात कराया। आरंभ में राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजस्थान निर्माण के विभिन्न चरणों, रियासतों के एकीकरण से बने आधुनिक राजस्थान और यहां के लोगों की जीवटता की चर्चा करते हुए राजस्थान में सात वार और नौ त्योहार की संस्कृति की भी विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने कहा कि उत्सवधर्मिता में यहां के लोगों ने विषम भौगोलिक परिस्थितियों में भी जीते हुए अभावों में भी पर्व, तीज-त्योंहार और संस्कृति के भाव भरे है। उन्होंने राजस्थान की पर्यटन विरासत को महत्वपूर्ण बताते हुए 'पधारो म्हारे देश' की मनुहार के जरिए यहां के चित्ताकर्षक पर्यटन स्थलों पर पर्यटक आमंत्रण के अधिकाधिक प्रयास करने पर भी जोर दिया। मिश्र ने कहा कि राजस्थान भक्ति और शक्ति का संगम प्रदेश है। उन्होंने महाराणा प्रताप के शौर्य, भामाशाह की दानवीरता, पन्नाधाय के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि गौरवमय राजस्थान का स्थापना दिवस सद्भाव की हमारी संस्कृति को सहेजने का है। उन्होंने राजस्थान दिवस पर संकल्पित होकर राज्य के सर्वांगीण विकास में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। एक घंटे तक चले इस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सराहना की। उन्होंने कहा कि कलाएं इसी तरह मन को रंजित कर हमें भाव-संवेदनाओं में जीवंत करती है। पूर्व में राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल ने आगंतुकों का स्वागत किया।

थूवोनजी तीर्थ ऐसा है कि जहां आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने दो दो चातुर्मास किए: आचार्य विहर्ष सागर जी

थूवोनजी में हुआ आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश

दर्शनोंदय तीर्थ थवोनजी रंग पंचमी को आंनद पर्व बना दिया: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी ऐसा तीर्थ क्षेत्र है जहां इस युग के महान संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने दो दो चातुर्मास किए । महान संत कोई ऐसे ही किसी भूमि का चयन नहीं कर लेते उन्होंने कुछ यहां देखा होगा जो हमारे चर्म चक्षुओं से देखने में नहीं आ सकता। तीस वर्षों के उपरांत इस पवित्र तीर्थ के दर्शन से मन आनंदित है। जाना तो तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी की वंदना के लिए है लेकिन मन यही विराजमान लेना चाहता है उक्त आश्य के उद्गार आचार्य श्री विहर्ष सागर जी महाराज ने आतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में व्यक्त किए।

पहली बार रंगपंचमी उत्सव के रूप में थूवोनजी मना रहे हैं: विजय धुर्रा

इसके पहले मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि राष्ट्रसंत आचार्य 108 श्री विहर्ष सागर जी महामुनिराज, योगी धर्मवीर मुनि 108 श्री विजयेश सागर जी, 108 मुनि श्री विश्वहर्ष सागर जी महाराज ससंघ का मंगल आगमन पहली बार दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी की धरा धाम पर हुआ है । आज रंगों का पर्व को हम पंचमी उत्सव के रूप में मना रहे हैं कहें कि तेरी रंग गुलाल कहें कि पिचकारी तो भक्ति की है रंग गुलाल श्रद्धा की पिचकारी से गुरु आराधना कर रहे हैं रंग गुलाल तो हमारे जीवन का हिस्सा बना ही रहता है आध्यात्म भी हिस्सा बने ऐसी भावना है। इस दौरान आचार्य श्री ने कहा कि मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज की प्रेरणा पा जो मंडल यहां आकर भगवान की भक्ति करते हैं उससे ही इस तीर्थ भूमि की कीर्ति बड़ रही है मुनि श्री ने तीर्थो को उदय से जोड़कर एक नई परिभाषा दी है। उन्होंने जो नियम दिया है उससे आप का पुण्य बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आप अपने अंदर की गंदगी को बाहर निकाले का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ोगे तो जो लक्ष्य आपने निश्चित किया है उसे प्राप्त कर सकते हैं । कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि रंगों के पर्व को हम आचार्य श्री संघ के सान्निध्य में मना रहे है मंत्री विनोद मोदी ने कहा कि आचार्य संघ ने अशोक नगर से विहार कर थूवोनजी के लिए अपनी यात्रा के दौरान समय निकाला है कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल ने आदिनाथ जयंती तक प्रवास का आग्रह किया।

तीर्थ क्षेत्र पर हुआ पदार्पण

इसके पहले आज प्रातः काल की वेला में आचार्य श्री विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ का अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में मंगल प्रवेश हुआ जहां दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी राजेन्द्र हलवाई प्रचार मंत्री विजय धुर्रा कोषाध्यक्ष सौरव वाझल आडिटर शैलेन्द्र ददा जैन मिलन अध्यक्ष मनोज भोला पवन करैया हेमंत टडैया विपिन आर टी ओ नीरज जैन शनिवार मंडल के सह संयोजक सन्तोष सिंघई प्रमोद वकील भानु वरखेडा राजेश जैन सहित अन्य भक्तों ने दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में अगवानी कर मुनि श्री की आरती उतारी इसके बाद आचार्य श्री के सान्निध्य में थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी के दरवार में सर्व प्रथम मंगलाष्टक के साथ ही दीप प्रज्जवन चित्र अनावरण किया गया इस के बाद भगवान आदिनाथ स्वामी के अभिषेक एवं जगत कल्याण की कामना के लिए लिए आचार्य श्री के श्री मुख से महा वीजाक्षरो के साथ शान्ति धारा की गई।

बढ़ता जा रहा श्रद्धा का सैलाब, इस वर्ष लगेगा 3100 किलो काजूकतली का महाभोग

भीलवाड़ा के श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर पर हनुमान जयंति की शुरू हुई तैयारियां

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। भगवान राम के अनन्य भक्त श्री हनुमानजी महाराज की जयंति पर भीलवाड़ा शहर में मुख्य डाकघर के नजदीक स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर पर होने वाले दो दिवसीय आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई है। हनुमान जयंति पर ये आयोजन 22 एवं 23 अप्रेल को मंदिर के महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में होंगे। हनुमान जयंति पर प्रसाद पाने के लिए उमड़ने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस वर्ष 3100 किलो काजू कतली का महाभोग लगाया जाएगा। पिछले वर्ष 2500 किलो काजूकतली का महाभोग लगाया गया था। राजस्थान में हनुमान जंयति के अवसर पर किसी भी मंदिर में लगाया जाने वाला यह सबसे बड़ा महाभोग माना जा रहा है। श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर के ट्रस्टी महावीरप्रसाद अग्रवाल एवं रमेश अग्रवाल ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है एवं भक्तों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए है। दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन 22 अप्रेल को हनुमानजी महाराज की प्रतिमा को स्वर्ण चोला चढ़ाया जाएगा। रात 8 बजे से मंदिर के बाहरी क्षेत्र में होने वाली विशाल भव्य भजन संध्या में संकटमोचन हनुमानजी महाराज की भक्ति की अविरल धारा प्रवाहित होंगी। भजन संध्या में गुड़गांव निवासी नरेश सैनी(जूनियर लक्खा) एवं जयपुर निवासी कोमल शर्मा अपनी टीम के साथ हनुमान भक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति देंगे। देर रात तक चलने वाली इस भजन संध्या में बड़ी संख्या में भक्तों के उमड़ने की संभावना को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था की जा रही है। हनुमान जयंति पर 23 अप्रेल को मंदिर का मनमोहक फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। दोपहर 12.15 बजे महाआरती के बाद हनुमानजी महाराज को 3100 किलो काजूकतली का महाभोग लगाया जाएगा। हनुमानजी के जन्तोत्सव पर 11 किलो का केक भी काटा जाएगा। महाआरती एवं महाभोग के बाद काजूकतली का प्रसाद भक्तों में वितरित किया जाएगा। हनुमान जयंति पर रात 8 बजे से श्री बालाजी सत्संग मण्डल के एसके खण्डेलवाल एवं टीम द्वारा संगीतमय सुंदरकांड की प्रस्तुति दी जाएगी। हनुमान जयंति महोत्सव के अवसर पर मंदिर पर विशेष सजावट के साथ नगर परिषद चौराहे से लेकर गोलप्याउ चौराहे तक भी विशेष सजावट व रोशनी की जाएगी।

दिगंबर आर्यिका सुधर्ममति के संलेखना पूर्वक समाधिमरण पर श्रद्धालुओं ने श्रद्धा सुमन किए अर्पित

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

चित्तौड़गढ़। शनिवार को यहां दिगंबराचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज के संघस्थ आर्यिका माताजी सुधर्ममति माताजी के संलेखना पूर्वक समाधि मरण पर आयोजित कार्यक्रम पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। स्थानीय विद्या सागर मांगलिक भवन में विराजित आचार्य श्री सुंदर सागर की संघस्थ आर्यिका सुधर्ममति माताजी की शनिवार प्रातः 8 बजे संलेखना के बाद समाधि मरण हो गया। आर्यिका माता श्री निंबाहेड़ा विहार के दौरान अचानक अस्वस्थ्य हो गई थी बावजूद इसके उन्होंने निंबाहेड़ा से चित्तौड़ तक अपना विहार संपन्न किया, निरंतर शारीरिक गिरावट को देखते हुए आचार्य श्री ने संघ की अनुमोदना पर उन्हे शुक्रवार को विधि पूर्वक आर्यिका दीक्षा देकर उनको मोक्ष के मार्ग पर प्रशस्त किया इस दौरान समाज के सैकड़ों श्रावको की मौजूदगी में आचार्य श्री ने धार्मिकता पूर्वक सभी प्रकार के आहार विहार का उनको त्याग करवा कर नियम पूर्वक संलेखना प्रारंभ करवाई समाज और धर्मावलंबीयो ने निरंतर णमोकार मंत्र जाप्यानुष्ठान के साथ धर्म प्रभावना कर विविध धार्मिक क्रियाओं का मातु श्री को श्रवण कराया। चौबीस घंटे की संलेखना के दौरान धर्म प्रभावना कर आर्यिका सुधर्ममति माता श्री ने शनिवार प्रातः 8 बजे सैकडो श्रावको की उपस्थिति में आचार्य श्री से समाधि मरण का पाठ का श्रवण करते करते मोक्ष का मार्ग चुन लिया और समाधिस्थ हो गई। इधर माताजी के संलेखना पूर्वक समाधि मरण के समाचार से क्षेत्र के उनके अनुयायीयो में अनुमोदना फैल गई। शनिवार प्रातः निकली उनकी चकडोल यात्रा में किला रोड स्थित आचार्य विद्या सागर मांगलिक धाम से बड़ी संख्या में साधर्मी बंधु बांधव एकत्रित हो गए , नगर की नई पुलिया के समीप शंकर घाट पर माताजी के देवलोक गमन यात्रा पहुंची नदी के समीप निर्धारित स्थल पर विविध धार्मिक क्रियाओं के पश्चात आचार्य श्री के चतुर्विद् संघ की उपस्थिति में भैय्याओ दीदियों ने समाधिस्थ माताजी के गृहस्थ जीवन के ग्वालियर भिंड निवासी परिजनों द्वारा मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार संपन्न कराया।

तीर्थंकर चंदप्रभु भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव मनाया हर्षोल्लास से

फागी. शाबाश इंडिया। फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू,नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ चैत्यालय, चंद्र प्रभु नसियां,चंद्रपुरी सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर चंद्र प्रभु भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि इससे पूर्व सभी जिनालयों में श्री का अभिषेक, महाशांतिधारा तथा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना के बाद सामूहिक रूप से जयकारों के साथ चंद्र प्रभु भगवान का गर्भ कल्याणक का अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई, मंदिर समिति के महावीर मोदी ने कहा कि उक्त कार्यक्रम समाज सेवी मोहनलाल झंडा,कपूर चंद जैन मांदी, रामस्वरूप मोदी, केलास कासलीवाल, संतोष बजाज, हरकचंद झंडा, सोभागमल सिंघल, महावीर मोदी, विमल कलवाडा, मुकेश गिंदोडी, महावीर बजाज, राजेंद्र मोदी, पार्षद महेश झंडा,नीरज झंडा, जीतू कासलीवाल, कमलेश झंडा, कमलेश चोधरी,विनोद झंडा, कमल झंडा, सोनू कठमाना, आंशु चोधरी,आंशु झंडा, अंकित सिंघल, जीतू मोदी, तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

विश्व मे शांति कहने से नहीं करने पर होगी : प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज

सुनिल चपलोत.शाबाश इंडिया

दासपा। विश्व मे शांति कहने से नहीं करने पर होगी। शनिवार को दासपा मे मंगल प्रवेश पर आयोजित विशाल धर्मसभा मे प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने सकल जैन समाज दासपा के सभी धर्मो के धमार्लंबियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सद्भाव शांति प्रेम और भाईचारा बनाए रखने के लिए शांति के लिए काम करना होगा,न केवल उसके बारे में बात करना। मैत्री ही एक ऐसा मार्ग है जिससे परिवार देश और विश्व मे शांति स्थापित की जा सकती है और भय मुक्त सशक्त मानव बनकर अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त करके अपनी आत्मा का संसार से कल्याण करवा सकता है। धर्मसभा से पूर्व प्रवर्तक सुकनमुनि,युवाप्रणेंता महेश मुनि,बालयोगी अखिलेश मुनि आदि ठाणा 3 के पैतीस वर्षो के बाद दासपा पधारने पर सकल जैन समाज के कांतिलाल हुंडिया, शिवराज वाणीगोता,मांगीलाल हिरण,चम्पा लाल लुकड़,जुगराज मुथा,पारसमल जैतूवाला, सुखराज टाणी, अशोक हुंडिया, नेमीचंद वाणी गोता, मांगीलाल वाणीगोता, भंवरलाल वाणी गोता, मांगीलाल लुकड़, रमेश मुणोत, रमेश चौटिया आदि पदाधिकारियों के साथ सम्पूर्ण दासपा गांव के सैकड़ों भाई-बहनो ने अगवानी और मंगल गीत गाकर संतो का अभिनन्दन किया।

वेद ज्ञान

समझौता है शांति का आधार

समझौता एक सामान्य शब्द है, लेकिन बड़े-बड़े वैमनस्य, शत्रुता और परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में इसका कोई जवाब नहीं है। आज की जीवन प्रणाली में तनाव और चिंता इतनी बढ़ गई है कि मनुष्य का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है। हमारी इच्छाओं और कामनाओं के अलावा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों ने दुनिया से तो नजदीकियां बढ़ा दी हैं, लेकिन परिवार से दूरियां बढ़ती जा रही हैं। सुख-समृद्धि की अंधी दौड़ और खंडित व्यक्तित्व के कारण व्यक्ति तनाव और चिंता में रहता है, जिससे क्रोध और अनर्गल भाषा का प्रयोग उसकी आदत बन जाती है। इसका परिणाम टूटते संबंधों एवं बिखरते परिवारों के रूप में दिखता है। इस विघटनकारी स्थिति से मुक्त होने के लिए जो जैसा है, उसे वैसा ही स्वीकार करके जीने से जीवन का भार कम हो जाता है। इसी संबंध में रूस के प्रसिद्ध दार्शनिक टॉलस्टाय का कहना है कि मनुष्य सबसे अधिक यातना अपने विचारों से ही भोगता है। किसी भी प्रतिकूलता का प्रतिकार या तिरस्कार करने से वह घटती नहीं, बल्कि कई गुना बढ़ जाती है। आज जरूरत इस बात की है कि व्यक्ति अपनी भौतिकतावादी दृष्टि के स्थान पर आध्यात्मिक दृष्टि का विकास करे। दूसरों के साथ व्यवहार करते समय आग्रह-बुद्धि का त्याग करें, दूसरों के विचारों को सुनें, समझें एवं शांति और धैर्य के साथ सही तथ्यों के आधार पर निर्णय लें। जीवन में घटने वाली घटनाओं, संबंधों और परिस्थितियों के साथ अहं का परित्याग कर समझौतावादी दृष्टिकोण अपनाएं। समझौते की प्रवृत्ति को लोग भीरुता का पर्याय समझते हैं, लेकिन यह शांतिपूर्ण ढंग से जीवन जीने की कला है। हमें दूसरों की समस्याओं, नजरियों व विचारों को समझने का प्रयास कर उचित सम्मान देना चाहिए। किसी मध्यबिंदु पर आकर समझौता करना चाहिए। इस वृत्ति को बढ़ावा देने से हम अपने पारिवारिक जीवन की समस्याओं को सुगमता से सुलझा सकते हैं। विवाह-विच्छेद, आत्महत्या, हत्या आदि सभी के पीछे आवेग और दूसरों की बातों को समझने की चेष्टा का अभाव होता है।

संपादकीय

उम्मीदों के दबाव में दम तोड़ रहे हैं प्रतियोगी छात्र-छात्राएं

तमाम कोशिशों के बावजूद अगर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की खुदकुशी का सिलसिला रुक नहीं पा रहा, तो इस पर समन्वित रूप से विचार-विमर्श की जरूरत है। ऐसी ज्यादातर घटनाएं राजस्थान के कोटा शहर से ही दर्ज होती हैं। दो दिन पहले राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट की तैयारी कर रही एक उन्नीस साल की छात्रा ने खुदकुशी कर ली। उससे एक दिन पहले एक अन्य छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। पिछले

तीन महीने में इस तरह सात विद्यार्थी अपनी जान गंवा चुके हैं। आत्महत्या के बढ़ते मामलों के मद्देनजर पिछले वर्ष राज्य सरकार ने कोटा में चल रहे कोचिंग संस्थानों को निर्देश दिया था कि वे साप्ताहिक परीक्षणों में कड़ाई न करें। पिछले वर्ष कोटा में छब्बीस छात्रों ने खुदकुशी कर ली थी। इन तमाम मामलों के अध्ययन से जाहिर है कि विद्यार्थी पढ़ाई के दबाव और अभिभावकों की अपेक्षाओं पर खरे न उतर पाने के भय से फंदे पर लटक जाते हैं। कोचिंग देने वाले संस्थानों के पढ़ाने-लिखाने के तरीके से भी उनमें मनोचाप पैदा होता है। युवाओं में विफलता के भय, आत्मविश्वास की कमी आदि को लेकर बहुत बातें होती रही हैं। इसमें अभिभावकों की महत्त्वाकांक्षा और सफलता के सपने वगैरह को लेकर भी अनेक मनोसामाजिक विश्लेषण हो चुके हैं। मगर फिर भी इस समस्या से

पार पाने का कोई व्यावहारिक रास्ता नहीं निकल पा रहा है, तो यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर कमी कहां है। यह ठीक है कि जनसंख्या अधिक और अवसर कम होने के कारण प्रतियोगिता दिन पर दिन कठिन होती जा रही है, मगर शिक्षा का ऐसा तरीका क्यों नहीं विकसित किया जा सका है, जो विद्यार्थियों को सहज और सामान्य ढंग से पढ़ाई का वातावरण दे सके। इसमें जितने जिम्मेदार अभिभावक हैं, उससे कम उन कोचिंग संस्थानों को नहीं माना जाना चाहिए। फिर, कोटा में ही ऐसी मौतें सबसे ज्यादा क्यों हो रही हैं, इसका भी पता लगाया जाना और उन वजहों को खत्म करने का प्रयास होना चाहिए। ऐसी शिक्षा का भला क्या मोल, जो विद्यार्थी को आत्मविश्वास से भरने के बजाय उसे आत्महंता बनाए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सनातन धर्म में असहमतियों के लिए भी जगह रहती है

शास्त्रार्थ या सभ्य-संवाद की भारतीय परंपरा में मेरा दृढ़ विश्वास है। प्रस्थानत्रयी कहलाने वाले हिंदू धर्म के मूलभूत ग्रंथ उपनिषद् भगवद्गीता और ब्रह्मसूत्र- संवाद-शैली में ही हैं। वे विपरीत मत को भी स्वीकार करते हैं। 8वीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र के बीच प्रसिद्ध शास्त्रार्थ हुआ था। 12वीं सदी में, बिज्जला द्वितीय के कलचुरी साम्राज्य में लिंगायत मत के संस्थापकों बासवन्ना और अल्लामा प्रभु द्वारा स्थापित 'अनुभव मंडप' ऐसा मंच था, जहां सभी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमियों के लोग आकर आध्यात्मिक प्रश्नों या सार्वजनिक महत्व के किसी भी मसले पर चर्चा कर सकते थे। शास्त्रार्थ की इसी भावना के साथ मैं विभिन्न सार्वजनिक बहसों में भाग लेता हूं। हाल ही में इंडिया टुडे और सीएनएन न्यूज 18 कॉन्क्लेव में मुझे ऐसे ही दो अवसर मिले। इंडिया टुडे के कार्यक्रम में एक वक्ता ने आशंका जताई कि भारत तेजी से ''लोकतांत्रिक तानाशाही'' में बदलता जा रहा है, जहां ताकतवर राज्यसत्ता अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए स्वतंत्रता और लोकतंत्र को खतरे में डाल दे रही है। इसके जवाब में मैंने कहा कि नागरिकों को लोकतंत्र पर आसन्न खतरों के प्रति हमेशा सतर्क रहना चाहिए, लेकिन हमारे देश में लोकतंत्र कभी खत्म नहीं होगा, चाहे राज्यसत्ता कितनी भी निरंकुश क्यों न बन जाए। कारण, नागरिकों के समर्थन को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता, न ही उनकी शक्ति को कम करके आंका जा सकता है। देश के नागरिक विगत 75 वर्षों से संसदीय लोकतंत्र में भागीदार हैं और संवैधानिक रूप से प्रदत्त अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को वे इतनी आसानी से नहीं छोड़ने वाले इसके अलावा भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश पर किसी एकरूपतावादी, अधिनायक सत्ता को थोपना आग से खेलने जैसा है! राजनीति एक गतिशील प्रक्रिया है जो नेता कभी अपराजेय लगते थे, वे भी जनता के आक्रोश के सामने ढह सकते हैं। भला कौन सोच सकता था कि 1971 में पाकिस्तान से युद्ध जीतने और बांग्लादेश के निर्माण में मदद करने के बाद, संसद में पूर्ण बहुमत वाली सरकार की नेत्री और 'दुर्गा' का अवतार कहलाई इंदिरा गांधी को 1975 आते-आते सत्ता में बने रहने के लिए आपातकाल की घोषणा करनी पड़ेगी। और जब 1977 में उन्होंने आपातकाल को समाप्त किया, तो उनकी पार्टी को लोगों ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। या राजीव गांधी का ही उदाहरण लें। 1984 में, 400 से अधिक सीटों के पूर्ण बहुमत के साथ उन्हें जैसा ऐतिहासिक जनादेश जीता, वैसा न तो उनकी मां इंदिरा और न ही नाना नेहरू को हासिल हुआ था। वे युवा, सुदर्शन और अपराजेय लगते थे। तब भाजपा दो सीटों पर सिमटकर रह गई थी। लेकिन यही राजीव 1989 तक आते-आते सत्ता में कायम रहने के लिए संघर्ष करने लगे थे, और आखिरकार वे चुनाव हार गए। राजनीति में, नए चेहरे और नैरेटिव लगातार सामने आते हैं, जो लोगों को प्रभावित करते हैं। हमें मिर्जा गालिब की इस सख्त चेतावनी को याद रखना चाहिए ह्यहर बुलंदी के नसीबों में है पस्ती एक दिन। न्यूज18 कॉन्क्लेव में भाजपा के वरिष्ठ नेता राम माधव से हिंदुत्व की प्रकृति पर मेरी बातचीत हो रही थी। मैं माधव की बौद्धिकता की सराहना करता हूं। जब उन्होंने कहा कि हिंदुत्व, हिंदू धर्म में आस्था के समान है, तो मेरी उनसे कोई असहमति नहीं थी, बशर्ते हिंदुत्व से उनका आशय हिंदू धर्म के मूलभूत गुणों के सार के रूप में हो।

मौसम की गर्म मिजाजी के साथ, खुद को 'कूल' रखें आप

बात छोटी है मगर...

उदयपुर. शाबाश इंडिया। होली के जाते ही मौसम का मिजाज बदलने लगा है। हल्की ठंडक वाली हवाओं के झोंकों की जगह, अब गर्म हवा की भभकियों ने ले ली है। हालांकि इसका उपाय तो हमने अपने घरों में पंखे चलाकर कर लिया है, लेकिन कई बार मौसम की ये गर्मी जब हमारी बातचीत में आ जाती है, रिश्तों में खटास उत्पन्न कर देती है। तो मित्रों, जैसे मौसम के परिवर्तन को हमने विद्युत उपकरणों से नियन्त्रित कर लिया, वैसे ही विचारों की व्यग्रता को भी वाणी के विवेक से नियंत्रित करने का प्रयास करें। कई बार घर या दफ़्तर में राजनीतिक या सामाजिक चर्चाएं

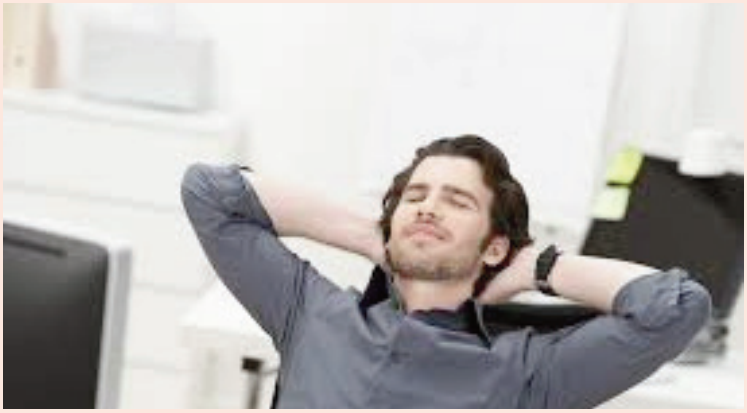

करते हुए हम अति उत्साह ऐसा कुछ बोल जाते हैं, जिसे बाद में सुधार पाना न केवल कठिन हो जाता है, अपितु सम्बन्धों में भी कटुता उत्पन्न हो जाती है। इसलिए प्रयास करें, चाहे ऑफिस मीटिंग में हों या किसी सार्वजनिक समारोह में, सब्जी खरीद रहे हों या टैक्सी वाले से किराया कम करने के लिए कह रहे हों, प्रत्येक अनुकूल या प्रतिकूल स्थिति में स्वयं को शांत रखें। बात छोटी है मगर..... इसके परिणाम बहुत गहरे हैं। विचारों की उत्तेजना से हमारा मन प्रभावित होता है और मन से ही तो हमारे दिनभर के सारे काम, बिजनस का नफा–नुकसान और जीवन के सारे उद्देश्य निर्भर करते हैं। अगर मन अच्छा होगा तो सब काम मन लगाकर करेंगे और अगर सुबह की शुरूआत होते–होते किसी छोटी–सी बात पर मन ही खराब हो गया तो पूरा दिन गड़बड़ हो जाएगा। इसलिए इस मनमौजी मन का ख़्याल रखिए। इसे अच्छे विचारों से स्वच्छ और निर्मल बनाए रखिए.....इस विचार को और अधिक गहराई से समझना है तो जरा कबीर साहब के इस दोहे को पढ़कर जीवन में आत्मसात कर लीजिए.....

नहाये धोये क्या हुआ, जो मन का मैल न जाय ।
मीन सदा जल में रहे, धोये बास न जाय।।

मतलब यही है कि नहाने से हमारे शरीर की बाहरी गंदगी तो साफ हो जाएगी, लेकिन मन में भरी, छोटी–छोटी बातों पर गुस्से वाली गंदगी, बिल्कुल साफ नहीं होगी। ठीक वैसे ही, जैसे मछली हमेशा पानी में रहती है, मगर फिर भी उसके शरीर से दुर्गंध नहीं जाती। तो प्रिय पाठकों, बात छोटी है मगर.....रोजमर्रा की ज़िंदगी के इस टाले जा सकने वाले 'गुस्से' को मछली की दुर्गंध जैसा समझकर छोड़ने का प्रयास कर, खुद को 'कूल' बनाए रखें आप।

जसबीर सिंह
न्यूज एडिटर, राइटर,
उदयपुर।

भारत गौरव आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का गुन्सी से जयपुर की ओर हुआ विहार

संस्कार हमारी संस्कृति है : आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में साधनारत पूज्य भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी निरंतर धर्म की प्रभावना कर रही। विजय गंगवाल ने बताया कि शनिवार को विज्ञा श्री माताजी संघ सहित जयपुर के लिए मंगल विहार किया। गुन्सी गांव स्थित विज्ञा तीर्थ से चातुर्मास पश्चात आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गुन्सी से विहार कर चाकसू पहुंचे जहां समाज श्रेष्ठी विजय गंगवाल शुभम काला अक्षय गर्ग आशीष सोनी अभिषेक बिलाला राजेश पाटनी राजीव गंगवाल महावीर प्रसाद पराणा हितेश छाबड़ा विमल जौंला महावीर प्रसाद छाबड़ा नाथूलाल जैन शकुंतला छाबड़ा नरेश हथौना सहित अनेक गणमान्य लोगों ने पाद्प्रक्षालन कर अगुवानी की। इस दौरान माताजी के सान्निध्य में शनिवार की शांतिधारा करने का सौभाग्य अक्षांत जैन निवाई को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात आहारचर्या के दौरान व्रती आश्रम के व्रतियों ने निर्विघ्न सम्पन्न कराकर सातिशय पुण्य का अर्जन किया। सामूहिक संघ के द्वारा तत्वचर्चा के समय पूज्य माताजी ने त्याग व दान के विषय को स्पष्ट किया। इस अवसर पर माताजी ने कहा कि संस्कार हमारी संस्कृति है। अच्छे संस्कारों से ही हमारी पहचान होती है।आपके संस्कार बताते हैं कि आपकी परवरिश कैसी हुई है । इंसान का व्यवहार उसके संस्कारों से निर्धारित होता है। संस्कार किसी किताब में नहीं मिलते ये सीखे जाते हैं अपने से बड़ों से अपने आस - पास के वातावरण से । संस्कारों से सारे संसार को जीता जा सकता है। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि विहार से पूर्व विज्ञा तीर्थ पर श्रद्धालु एकत्रित हुए वहां से जयधोष के साथ विहार करके चाकसू पहुंचे। आर्यिका संघ चाकसू से विहार कर सांगानेर होते हुए विवेक विहार जयपुर पहुंचेंगे।

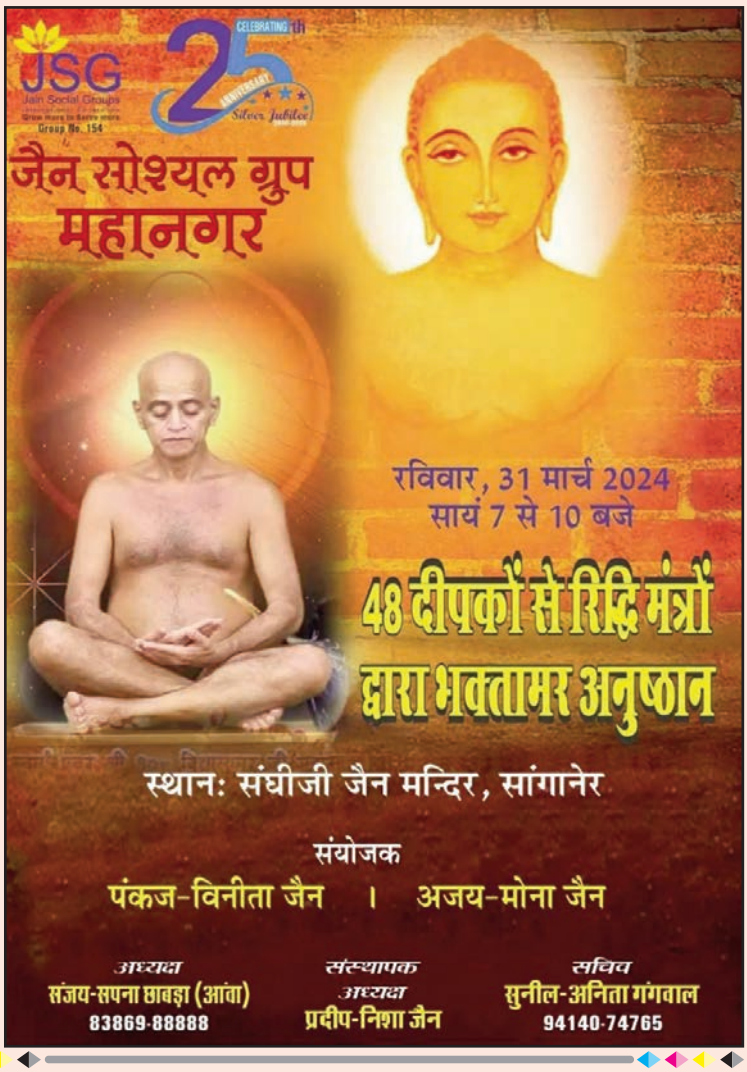

परमपूज्य संतशिरोमणि समाधिस्थ आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं
परमपूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव 108 सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से संस्थापित

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर

के अन्तर्गत संचालित

सन्त शिरोमणी आचार्य
108 श्री विद्यासागर जी महाराज

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव
108 श्री सुधासागर जी महाराज

सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय

जैन नसियां परिसर, वीरोदय नगर, सांगानेर, जयपुर (राज.) 302029

प्रवेश सूचना

हर्ष का विषय है कि परम पूज्य समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शुभाशीष एवं श्रमण संस्कृति के श्रेष्ठ संरक्षक पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के सदुपदेश एवं सत्प्रेरणा से संपूर्ण घर परिवार को संस्कारित करने के उद्देश्य से समाज की बालिकाओं को सच्चरित्र एवं सद्विद्या से सम्पन्न बनाने हेतु उक्त महाविद्यालय का नवीन सत्र 01 जुलाई 2024 से शुभारम्भ हो रहा है।

अतः प्रवेश इच्छुक छात्राएँ निम्न चतुर्दिवसीय शिविर में उपस्थित हों।

- श्री दिगम्बर जैन नसियां मन्दिर में देवाधिदेव भगवान संभवनाथ प्रभु की छत्रछाया में पूर्ण सुविधा सम्पन्न भवन में छात्राओं के आवास, भोजन, शिक्षण आदि की समस्त सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध हैं।
- केन्द्रीय सं.विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर से सरकारी सेवा हेतु सर्वत्र मान्य उपाधि-प्रमाण - पत्र।
- साहित्य, व्याकरण, जैनदर्शन, प्राकृत, ज्योतिष, वास्तु-विज्ञान, कम्प्यूटर, अंग्रेजी आदि विषयों के साथ प्रवचन आदि के प्रायोगिक प्रशिक्षण का सुप्रबन्ध।
- प्रशिक्षण युक्त सघन शिक्षा द्वारा आर्षमार्गी आगमनिष्ठ विद्वत्ता प्राप्ति का अपूर्व अवसर, प्रतिभा उजागर हेतु पाक कला, सिलाई, चित्रकला, नृत्य-संगीत आदि अनेक पाठ्य सहगामी प्रवृत्तियाँ।

10वीं कक्षा उत्तीर्ण प्रवेश इच्छुक छात्राएँ किसी एक चयन शिविर में भाग लें।

दिनांक : 03 से 06 मई 2024
श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र गोलाकोट जी
खनियाधाना जिला - शिवपुरी (मध्यप्रदेश)
श्री राजीव जैन, मंत्री — 91310 94333
श्री सिद्धार्थ जैन, लेखाकार — 62638 03101
श्रीमती ज्ञानूमती जैन — 88905 89298
श्रीमती अंतिमा जैन — 89520 12323

दिनांक : 21 मई से 24 मई 2024
श्री निर्मल तीर्थ सार्व. न्यास
श्री शांतिनाथ दिगम्बर जिनमंदिर, धामणी जूणी
सांगली (महाराष्ट्र)
सन्मति उगरे — 98608 33352
अर्चना हुपरी — 95525 73949
सुरेखा पाटिल धामणी — 99701 31098
स्वरूपा पाटिल यड़ावकर — 98228 37555

दिनांक : 20 जून से 23 जून 2024
सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय
जैन नसियां परिसर, वीरोदय नगर,
सांगानेर, जयपुर (राजस्थान)
श्रीमती ज्ञानूमती जैन — 88905 89298
श्रीमती अंतिमा जैन — 89520 12323

सन्त श्री सुधासागर
आवासीय कन्या महाविद्यालय
अधिष्ठात्री
श्रीमती शीला जैन (डोड्या)
93141 73436
निर्देशिका
डॉ. वंदना जैन
93514 25177

पर्वराज दशलक्षण 08 सितम्बर से 17 सितम्बर 2024 से प्रारंभ हो रहे है। पर्व में विधि-विधान एवं प्रवचनादि कार्यों तथा शिक्षण शिविरों में अध्यापन हेतु आर्षमार्गीय निर्ग्रन्थ परम्परा पोषक विद्वान एवं विदुषियाँ आमंत्रित करने हेतु कृपया प्रदत्त नंबर पर संपर्क करें।
श्रीमती ज्ञानूमती जैन -88905 89298 श्रीमती अंतिमा जैन - 89520 12323

शिविर में प्रवेश इच्छुक छात्राएँ अपने साथ पूर्वोत्तीर्ण अंक सूची, तथा अन्य प्रमाण पत्र व सफेद सलवार-कुर्ता एवं लाल चुन्नी लेकर शिविर प्रारम्भ तिथि से एक दिन पूर्व सायं तक अवश्य उपस्थित हों।

शिविर में पूर्व परीक्षा एवं प्राप्त अंक, योग्यता, अभिरुचि एवं साक्षात्कार के आधार पर विदुषी बनने योग्य छात्राओं का चयन किया जायेगा।

शिरोमणि संरक्षक / परामर्शक — जैन गौरव अशोक पाटनी, मदनगंज-किशनगढ़
शिरोमणि संरक्षक/सह- परामर्शक — तरुण काला, मुंबई
अधिष्ठाता — डॉ. जयकुमार जैन, मुजफ्फर नगर
निदेशक — डॉ. शीतलचन्द जैन, जयपुर
अध्यक्ष — शांति कुमार जैन (IPS. RETD.), दिल्ली
कार्याध्यक्ष — प्रमोद जैन 'पहाड़िया', जयपुर
मानद् मंत्री — सुरेश कुमार जैन, सांगानेर
कोषाध्यक्ष — ऋषभ कुमार जैन, जयपुर

परामर्शक — श्रीमती सुशीला पाटनी
परामर्शक — श्रीमती शान्ता पाटनी
अधिष्ठात्री — श्रीमती शीला जैन (डोड्या)
निर्देशिका — डॉ. वंदना जैन
गौरव अध्यक्षा — श्रीमती तारिका पाटनी
अध्यक्षा — श्रीमती रेणु राणा
उपाध्यक्षा — श्रीमती नीना पहाड़िया
उपाध्यक्षा — श्रीमती रजनी काला
समन्वयक — प्रा. अरुण कुमार जैन

निवेदक : समस्त प्रबन्धकारिणी समिति श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान एवं सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय, सांगानेर, जयपुर

सखी गुलाबी नगरी ने रचा फिर से इतिहास

दो दिन में ही सदस्यता संख्या पहुंची नई ऊंचाई पर

300 से ज्यादा हुई सदस्यता

जयपुर. शाबाश इंडिया। सखी गुलाबी नगरी ने नये सत्र 2024-25 के लिए मात्र 2 दिन में सदस्यों की संख्या 300 के पार करके अपना रिकॉर्ड कायम रखा। सखी अध्यक्ष सारिका जैन ने बताया की सखी गुलाबी नगरी के द्वारा पूर्व में किए गये कार्यक्रमों के कारण नये सत्र के लिए दिये गये

समय से पूर्व ही संस्था के सदस्यता के लक्ष्य को हमने प्राप्त कर लिया। जिसकी वजह से समय से पूर्व ही रजिस्ट्रेशन बंद कर दिये गये। सदस्यों ने सखी गुलाबी नगरी पर जो विश्वास और भरोसा जताया है हम उनका भरोसा यू ही कायम रखेंगे। सखी सचिव स्वाति जैन ने बताया की ये हमारी संस्था के प्रति सदस्यों का उत्साह व विश्वास ही है जिससे हमें कार्यक्रम को और अधिक सफलता के साथ करने का साहस मिलता है। हम भविष्य में भी सदस्यों की उम्मीदों पर पहले की तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

48 दिवसीय भक्तामर दीप महा अर्चना के समापन के अवसर पर

नसियां जिनालय में 2551 दीपक जलाकर की जिनेंद्र भगवान की आराधना

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन मंदिर नसियां जी में 48 दिवसीय भक्तामर दीप महार्चना का आयोजन के 48 वें दिन समापन अवसर पर शुक्रवार को दिगंबर जैन मंदिर नसियां जी प्रांगण में एक साथ 48 मंडलों पर 48 दीपकों द्वारा आचार्य मांगतुंग द्वारा रचित संस्कृत में भक्तांबर स्त्रोत के 48 महाकाव्यो पर रिद्धि सिद्धि मंत्रों के साथ में भव्य भक्तांमर दीप महार्चना का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि11 फरवरी से लगातार दिगंबर जैन मंदिर नसिंया जी में युग दृष्टा ब्रह्मांड के देवता संत शिरोमणि दिगंबर जैन आचार्य 108 विद्यासागर जी महाराज को शीघ्र सिद्ध पद प्राप्त हो की कामना के लिए दिगंबर जैन मंदिर नसिंया जी में प्रतिदिन 48 दीपों से रिद्धि सिद्धि मत्रों के साथ भक्तांबर दीप महा अर्चना का आयोजन कर रहे थे। कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र जैन नृपत्या ने बताया कि इस 48 दिवसीय भक्तांमर दीप महार्चना के 48 वें दिन समापन अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज के जैन धर्मावलंबीओ द्वारा आचार्य मानतुंग द्वारा लिखित भक्तामर स्त्रोत के 48 काव्यो के संस्कृत में उच्चारण के बाद रिद्धि सिद्धि मंत्रों के साथ जिनेंद्र भगवान के समक्ष एक-एक करके 48 दीपक जलाकर संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के प्रति श्रद्धालु अपनी विन्यांजलि दी गई ।साथ ही जिनेंद्र भगवान से आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की आत्मा को जल्दी से जल्दी सिद्धालय में सिद्ध पद प्राप्त हो की कामना के लिये प्रार्थना कर रहे हैं। शुक्रवार को नसियां जी प्रांगण में आयोजित विशाल एवं भव्य 48 मंडलीय भक्तांमर दीप महा अर्चना के आयोजन में जैन धर्माबलंबीओ ने बढकर भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र नृपत्या ने बताया कि भक्तांबर दीप महार्चना के समापन अवसर को अति भव्य बनाने के लिए भक्तामर मंडल के सदस्य विमल जैन गोधा सुमेर जैन सोनी अभिनंदन कुमार पंकज जैन पांड्या देवेंद्र पांड्या प्रवीन जैन गंगवाल सुभाष जैन सोगानी राजेंद्र गंगवाल सहित दर्जनों कार्यकर्ता जुटे रहे। शुक्रवार को कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर की चित्र के समक्ष विमल विद्या जैन अभिषेक सोनम जैन गोधा परिवार ने एवं आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष श्रीमती कमला देवी जिनेंद्र देवेंद्र धर्मेंद्र जैन पांड्या परिवार की ओर से दीप प्रज्वलित करके की गई। इस अवसर पर मुख्य मंडल पुन्यार्जक श्री बाबूलाल डॉ मनोज मुकेश डॉक्टर सुलेखा जैन वर्धमान हॉस्पिटल वालों सहित सभी अतिथियों का भक्तामर मंडल के सदस्यों द्वारा पचरंगी दुपट्टा उड़कर तिलक लगाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके स्वागत सम्मान किया गया। महामंत्र णमोकार की संगीतमय एवं भक्तिमय प्रस्तुति मंगलाचरण के माध्यम से मोनिका जैन ग्रुप द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की संयोजक नरेंद्र जैन नृपत्या एवं के के जैन द्वारा श्री भक्तांमर जी के 48 महाकाव्यों का एक-एक करके रिद्धि सिद्धि मत्रों के साथ में उच्चारण किया गया इस दौरान हर एक मंत्र पर सभी श्रद्धालु अपने-अपने मंडलों पर दीप प्रज्वलित कर जिनेंद्र भगवान की जय जयकार करते रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिला पुरुष एवं बच्चों ने जैन भजन ऑन पर जमकर भक्ति नृत्य किया। कार्यक्रम की व्यवस्था में भक्तांबर मंडल के सदस्य प्राइवेट जैन गंगवाल विमल जैन गोधा सुमेर जैन सोनी अभिनंदन जैन पंकज जैन पांड्या सुभाष जैन सौगानी देवेंद्र जैन पांड्या आदि ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ो की संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित रहे। भक्तामर दीप महार्चना से पूर्व जिनेंद्र भगवान की सामूहिक आरती का आयोजन किया गया।

तीये की बैठक

श्री अशोक कुमार जी गोदिका

पुत्र स्व श्री माणक चंद जी केवलचंद जी गोदिका का आकस्मिक स्वर्गवास 30.03.2024 को हो गया है। तीये की बैठक 01.04.2024 को सुबह 8.30 बजे तोतूका भवन, भट्टारकजी की नसिया पर होगी।

: शोकाकुल :

शोकाकुलः ताराचंद **(चाचा),** साधना **(धर्मपत्नी),** महावीर कुमार-सुशीला **(भ्राता-भ्रातावधू),** अभय-स्वाति, अनुज-शुभिता **(पुत्र-पुत्रवधु),** लवी, मीशू, पवी **(पौत्र-पौत्री),** विनोद, संजय, नवीन, विकास **(भाई),** सुमन-अरुण जी सोगानी **(बहन-बहनोई),** नेहा-अनुपम जी सोनी, मेघा-ऋषभ जी कोठारी **(पुत्री-दामाद),** डवी, ईशु, रिशु, कीशू **(दोहिती-दोहिता)** एवं समस्त गोदिका परिवार।

ससुरालपक्ष- मनोरमा देवी, महावीर कुमार, अशोक अजमेरा फरीदाबाद (रेवासा वाले)

डिग्री के दास न बने, अनुभव, समझ व ज्ञान से व्यक्तित्व करवाए: मुनि श्री आदित्य सागर जी

डिग्री बनाती है लिमिटेड, अनलिमिटेड बनना है तो अनुभव प्राप्त करें

कोटा. शाबाश इंडिया

यदि आपको आसमान की ऊंचाई छूनी है तो आप डिग्री ले और यदि आप आसमान बनाना है तो आप अनुभव प्राप्त करे। डिग्री प्राप्त व्यक्ति अपने व्यक्तित्व को संकुचित करता है वह अन्य क्षेत्र में व्यक्तित्व विकास के लिए प्रयास बंद कर देता। आज कल के युवा डिग्री के दास होते जा रहे है। यह बात आर के पुरम जैन मंदिर में आयोजित विशुद्ध ज्ञान ग्रीष्मकालीन वाचन में श्रुतसंवेगी आदित्य सागर जी महाराज ससंघ ने कही। इस अवसर मुनि अप्रमित सागर का सानिध्य भी प्राप्त हुआ। मंदिर समिति के अध्यक्ष अंकित जैन ने बताया कि श्रुतसंवेगी आदित्य सागर जी महाराज ससंघ को सुनने बडी संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित रहे। विनोद टोरडी, मंदिर समिति के मंत्री अनुज जैन, अशोक पाटनी,पारस जैन सहित सैकड़ों की संख्या में लोगों ने एकाग्रचित होकर जिनवाणी को सुना। शुक्रवार को आदित्य सागर महाराज ने ग्रीष्मकालीन वाचना में कहा कि डिग्री के दास न बनने की बात कही और कहा कि डिग्रीधारी सोचता है कि वह केवल किसी एक काम में ही माहिर है और उसके अलावा वह कुछ नहीं कर पाएगा जबकि बिना डिग्री वाले का दायरा बड़ा होता है,उसके पास विकल्प अधिक होते है। डिग्री वाले लिमिटेड होते है और बिना डिग्री वाले अनलिमिटेड होते है। उन्होने सेठ हुकुम चंद इंदौर,धीरू भाई अम्बानी,मसाला बिजनेस में नाम कमाने वाले धर्मपाल गुलाटी सहित कई नाम बताएं जिन्होंने बिना डिग्री के अपनी सफलता की इबारत लिखी।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 200 से अधिक लोग लाभान्वित

नित्या फाउंडेशन ने जरुरतमंदों को चश्मे, दवाइयों का किया वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। ज्योति नगर स्थित कठपुतली नगर में नित्या फाउंडेशन की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 200 से अधिक लोग लाभांवित हुए। शिविर में विभिन्न प्रकार की जांचें तथा दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया। जिसमें फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती वर्षा जैन व राजस्थान कच्ची बस्ती महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. ओपी टांक का सराहनीय योगदान रहा। इस मौके पर फाउंडेशन की अध्यक्ष वर्षा जैन ने कहा कि हमारा सदैव यह प्रयास रहता है कि समाज के वंचित और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों की सहायता हो सके। इसी प्रयास में इस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में निःशुल्क दवाओं का वितरण, आंखों की जांच, नजर के चश्मे का वितरण तथा विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांचें निशुल्क की गई। शिविर में वृद्ध जनों तथा युवाओं ने उत्साह से भाग लिया। 200 से अधिक लाभार्थियों ने इस शिविर में लाभ प्राप्त किया।

शिविर में यह रहे उपस्थित: शिविर में वर्षा जैन, डॉ. ओपी टांक, कठपुतली नगर विकास समिति के उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, गजानंद खींची, वार्ड 147 के पार्षद भरत मेघवाल एवं राष्ट्रीय करणी सेना के युवा नेता ठाकुर उदय सिंह तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

विनम्र श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय

श्री अशोक कुमार जी गोदिका

पुत्र स्व श्री माणक चंद जी केवलचंद जी गोदिका

के आकस्मिक निधन पर हम सभी भावपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

: श्रद्धावनत :

श्रीमती आशा काला, श्रीमती आयुष्मति बोहरा,
सुमन-वैद्य अशोक गोधा, अजित-अलका, पिंकी-चक्रेश जैन, रश्मि-राजकुमार,
रंजना-विकास, अनिता जैन

महावीर इंटरनेशनल रॉयल ने मनाया होली स्नेह मिलन समारोह

गुलाल से तिलक लगा सादगी पूर्वक मनाया होली स्नेह मिलन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सेवा क्षेत्र में अग्रणी महावीर इंटरनेशनल रॉयल द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों को गुलाल से तिलक लगाकर होली स्नेह मिलन मनाया गया। चंग के साथ पारम्परिक होली से जुड़े लोक गीत को गाते हुए सभी सदस्यों ने एक दूसरे को होली की बधाई दी। उसके बाद ठंडाई एवं अल्पाहार का आयोजन हुआ। इस मौके पर सभी सदस्यों द्वारा कार्यक्रम के आयोजनकर्ता पदाधिकारीयों एवं संयोजको को सदस्यों द्वारा होली स्नेह मिलन का आयोजन रखने के लिए आभार जताया। इस अवसर पर संस्था सदस्या राजलक्ष्मी धारीवाल का जन्मदिवस भी सभी सदस्यों द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर अशोक पालडेचा, रूपेश कोठारी, अभिषेक नाहटा, मुकेश गांग, मुकेश बाफना, गौतम रांका, पुष्पेन्द्र चौधरी, मनोज रांका, अशोक रांका, पदम बिनायकिया, रवि बोहरा, सुरेन्द्र रांका, प्रदीप मकाना, मोहित कांठेड़, राजेश सुराणा, नरेंद्र सुराणा, राहुल बाबेल, बाबूलाल आच्छा, दीपक साँखला, पंकज दक, जितेन्द्र धारीवाल, कमल पगारिया, श्रेणिक बिनायकिया, रोहित मुथा, कांता पालडेचा, पूजा कोठारी, रेखा नाहटा, सविता बाबेल, पायल रांका, नीता दक, राजलक्ष्मी धारिवाल, रौनक बोहरा, मंजू बाफना, हेमलता नाहर, अनिता पगारिया, रूपा कोठारी, सन्ध्या बोहरा, नीतू साँखला, अंजना रांका, टीना रांका, रेखा सुराणा, पूनम मकाना, रेखा गांग आदि उपस्थित हुये।

दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम एवं संत समागम का आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के हनुमानगढ़ रोड स्थित वृद्ध आश्रम में कबीर पंथ के स्वामी प्रेमदास जी की 34 वी पुण्यतिथि पर शहर के संत कबीर वृद्ध आश्रम में आयोजित दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम एवं संत समागम में देशभर से सैकड़ो संतों का आगमन हो रहा है, वहीं हजारों श्रोता श्रद्धालुओं ने भी सेवा भाव से इस समागम में शिरकत की वृद्ध आश्रम के संचालक स्वामी जितवानंद जी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित इस संत समागम के चलते पूरा शहर आध्यात्मिक भाव वभगवा रंग में रंगा प्रतीत हो रहा है ,वहीं संतवाणी सुनने के लिए हजारों श्रद्धालु संत कबीर वृद्ध आश्रम में पहुंच रहे हैं । इसके अलावा आश्रम में विशाल भंडारे का आयोजन भी निरंतर दो दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें संतो के अलावा हजारों श्रद्धालु भी भोजन ग्रहण करेंगे ,उन्होंने बताया कि संत समागम में हरिद्वार, राजस्थान ,मध्य प्रदेश, वृंदावन पंजाब चेन्नई हिमाचल प्रदेश ,यूपी ,बिहार ,छत्तीसगढ़ आदि राज्यों से संत पहुंच रहे हैं इनमें मेथी गोस्वामी ट्रस्ट हरिद्वार के संचालक ,यमुना पूरी खेड़की धाम से महंत बहुत दूर-दूर से संत महात्मा आ रहे हैं महाराज ने बताया कि आज रात्रि में विशाल जागरण होगा 'तथा कल संत समागम में भंडारे का आयोजन किया जाएगा जिसमें हजारों संत महात्मा वृद्ध आश्रम में बाबा का प्रसाद ग्रहण करेंगे। उन्होंने बताया कि संतों का सानिध्य पाने के लिए क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं के अलावा हैदराबाद भावनगर नोएडा दिल्ली हरियाणा राजस्थान पंजाब व उप से भी श्रद्धालुओं व सेवादारों ने यहां पहुंचकर अपनी सेवाएं दी स्वामी जितवानंद जी महाराज ने बताया कि इन सभी संतो को आने-जाने के किराए खर्च के अलावा दक्षिण। प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा ,दो दिवसीय संत समागम के समापन अवसर पर सभी संतो को सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर महंत स्वामी परमानंद जी ,स्वामी मिनीषानंद जी, महंत श्री श्यामानंद जी ,श्री प्रकाशानंद जी, स्वामी रविंद्र आनंद जी, वह संत कबीर वृद्ध आश्रम वेलफेयर ट्रस्ट के संचालक श्री जितवानंद जी महाराज ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वह इस संत समागम में जरूर जरूर प्रसाद ग्रहण करें।

कमल गंगवाल सम्भाग स्तर पर सम्मानित

अजमेर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल अजमेर जोन द्वारा महावीर इंटरनेशनल अजयमेरु के संरक्षक कमल गंगवाल को संभागीय अधिवेशन के दौरान 2022-23 में अजयमेरु केंद्र में सेवा कार्यों में उत्कृष्ट सहभागिता निभाने हेतु सम्मानित किया गया। उपरोक्त सम्मान समारोह कार्यक्रम आज मेहरा बिल्डिंग में वरिष्ठ पदाधिकारीयों की उपस्थिति में आयोजित हुआ जिनमें वीर पदम चंद जैन, वीर धर्मेश जैन, वीर प्रभाचंद सेठी, वीर अशोक जैन, वीर प्रेमचंद जैन, वीरा शशि जैन, वीरा इंदु जैन, वीरा अलका दुधेड़ीया, संजय सोनी, विजय पांड्या, बिनय पाटनी अशोक गदिया आदि उपस्थित रहे।

जयपुर हाउस जैन मंदिर में क्रांतिवीर मुनि श्री प्रतीक सागर जी महाराज का हुआ मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया। गणाचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज के शिष्य क्रांतिवीर मुनिश्री प्रतीकसागर जी महाराज 30 मार्च को आगरा के बोदला सेक्टर-7 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर से बैण्ड बाजों के साथ मंगल विहार करते हुए 14 वर्षों बाद जयपुर हाउस के टीचर्स कॉलोनी स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर पहुंचे। जहां जयपुर हाउस वासियों ने मुनिश्री का पाद प्रक्षालन करते हुए मंगल स्वागत किया। मंगल आगवानी के बाद मुनिश्री ने भगवान शांतिनाथ की प्रतिमा के दर्शन किए। इसके बाद धर्मसभा का शुभारंभ भक्तों ने आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्वलन कियो साथ ही सौभाग्यशाली भक्तों ने मुनिश्री के समक्ष श्रीफल एवं शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

पावागिरी में स्वर्ण कलशों से हुआ मस्तकाभिषेक

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

पावागिरि/ऊन। ऊर्जावान और पवित्र तीर्थ पावागिरी ऊन मध्य प्रदेश यहां का कण कण पावन है। तभी यहां पर हर वर्ष वार्षिक मेले में मुनि संघ पिच्छि धारी संतो का सानिध्य प्राप्त होता है। क्षुल्लक श्री ने बताया कि शांतिनाथ भगवान के बाद आज तक जैन धर्म की पताका अक्षुण्ण रूप से फहरा रही है, ये भूमि मोक्ष स्थली है और जैन धर्म में जन्म भूमि से ज्यादा मोक्ष भूमि का महत्व पूर्ण माना गया है, यहां पर 4 सगे भाइयों ने मोक्ष को प्राप्त कर सिद्ध पद को प्राप्त किया है। हमारे जीवन में किसी सिद्ध क्षेत्र की वंदना पवित्र भावना से करना चाहिए और अपने स्वभाव को गुण ग्राहक बनाना चाहिए ।जैन शासन में चमत्कार चाहते हो तो अपनी भक्ति में इतनी शक्ति लगा दो की चमत्कार हो जाए।जैन धर्म में चमत्कार को नमस्कार नही बल्कि नमस्कार से चमत्कार हो जाता है ,भगवान आपका प्रेजेंटेशन नही अटेंशन देखते है , जैसे भगवान महावीर के समवशरण में फूल लेकर शामिल होने जा रहा था किंतु असमय उसकी मृत्यु हो गई लेकिन उसकी श्रद्धा की वजह से उसने तत्काल देव गति को प्राप्त किया। उपरोक्त प्रवचन सिंह रथ प्रवर्तक आचार्य विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज के शिष्य परम श्रद्धेय , मंत्र महर्षि, ज्योतिषविद, धर्मयोगी गुरुदेव डा क्षुल्लक योग भूषण जी महाराज ने प्रस्तुत किए पावागिरी ऊन के शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरहनाथ की प्राचीन प्रतिमाओं पर प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य श्रीमान अविनाश जैन सनावद, संदीप प्रकाश पहाड़िया इंदौर, प्रदीप जैन मंदसौर , ने प्राप्त किया ,सभा में दीप प्रज्ज्वलित करने का सौभाग्य श्रीमती सुधा महेंद्र जैन बैंक वाले सनावद को मिला जबकि क्षुल्लक जी के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य आलोक अजय जी खंडवा को प्राप्त हुआ जबकि शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य विवेक विनोद जैन खरगोन को प्राप्त हुआ श्री जी की शोभायात्रा तलहटी मंदिर से शांतिनाथ पहाड़ी मंदिर तक बैंड बाजे एवम भजन नृत्य करते हुए निकाली गई पश्चात अभिषेक हुआ, अनेक श्रद्धालुओ ने दान देकर सभी मंदिरों में शिखर पर ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट्री मनीष दोषी ने किया , स्फटिक मणि के मंदिर निर्माण की घोषणा अशोक झांझरी एवम गुलाबराव मंडलोई महेश्वर ने की अध्यक्ष हेमचंद झांझरी, महामंत्री अशोक झांझरी, विनोद जैन, अरुण धनोते, अतुल कासलीवाल, सुनील जैन, चिंतामण जैन, सुधीर चौधरी, कासलीवाल अर्पित, ऋषभ बड़जात्या आदि का योगदान सराहनीय रहाआज बड़वानी अंजड़ मनावर बाकानेर धरमपुरी खंडवा सनावद बड़वाह मंडलेश्वर महेश्वर खरगोन इन्दोर भोपाल महाराष्ट्र राजस्थान छत्तीसगढ़ आदि से भक्त गन शामिल हुए थे।

नेट-थियेट पर फागुन की धमाल

फागुन आयो रे हठीला म्हारी बाजे बगड़ी ने किया मंत्रमुग्ध

जयपुर। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज राजस्थान दिवस पर बनी ठणी ग्रुप की निर्देशक मीरा सक्सेना और उनके साथी कलाकारों ने फागुन के गीतों की ऐसी छटा बिखेरी की प्रस्तुत लोकनृत्यों से राजस्थान की माटी की खुशबू ने सतरंगी इंद्रधनुष परिलक्षित कर राजस्थान की संस्कृति को पेश किया। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकारों ने कार्यक्रम की शुरूआत रंगीला शंभू गोरा न पधारो प्यारा पावणा से की । इसके बाद उन्होंने प्रसिद्ध संगीताचार्य मदन मोहन सिद्ध द्वारा रचित होली के लोकगीत फागण आयो फागणा काई लयायो होली रो त्योहार बिणजारा और कान्हा मत मारे पिचकारी गीत को इतने सुरीले अंदाज में पेश किया कि लोग मस्ती से झूम उठे । फिर ढप बाजे रे साथीडा आपा खेला होली, ढप बाजे रे और फागुन आयो रे हठीला म्हारी बाजे बंगड़ी पर कलाकारों की इस प्रस्तुति ने राजस्थान के लोक नृत्य की छटा बिखेरी । जोर को तो जाडयो पडगयो फागण महीणा में और अंत में आज बिरज में होली रे रसिया पर सभी कलाकारों ने लोक नृत्य प्रस्तुत कल कार्यक्रम को ऊंचाइयां दी। कार्यक्रम में मीरा सक्सेना, उमा गौतम, अनुरेखा गुप्ता, डॉ भार्गवी,डॉ कविता माथुर, ने अपने सुरीली स्वरों से लोकगीतों की प्रस्तुति से दर्शकों को आनंदित किया । कलाकार कर्नल अजीत सक्सेना, भावना जालुथरिया, अध्यात्म, आविर्भाव, राशिका, किशोर सिंह चौहान, हरि नारायण शर्मा, मनोज स्वामी, मनोज आडवाणी और जीवितेश शर्मा ने चंग ढप पर अपनी अदाओं से सुंदर लोक नृत्य की प्रस्तुति से समा बांधा। कार्यक्रम में हारमोनियम और गायन पर रमेश चौहान और ढोलक पर हनुमान प्रसाद पवार ने शानदार संगत की। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू और जिवितेश, संगीत सागर विनोद गढ़वाल का रहा।

38वीं पुण्यतिथि 30.03.2024 पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

धर्मनिष्ठ, सरल स्वभावी, व्यवहार कुशल, हमारे प्रेरणास्रोत

स्व. श्री भंवर लाल जी छाबड़ा

जन्मतिथि 1913 - स्वर्गवास 30.03.1987

"आपकी स्मृतियां आपकी छवि विस्मृत हो ना पाएगी, आपका व्यवहार आपकी बातें सदैव याद आएगी।"

-: श्रद्धासुमन अर्पितकर्त्ता :-

मंगलचंद, हरकचंद-प्रेमलता, मोतीलाल-चंद्रप्रभा, कमलचंद-तारादेवी (पुत्र-पुत्रवधु), विरंजीलाल जी सेठी-कांता देवी, महावीर प्रसाद जी पाटनी-महेश देवी (बेटी-दामाद), मनीष-निशा, सपन-रजनी, रवि-रितु (पौत्र-पौत्रवधु), ममता-शरद सेठी (पौत्री-दामाद), मोहन्शी, कथांश, आरवी, दैविक, वैदिक, संभव (प्रपौत्र-प्रपौत्री) आदि समस्त छाबड़ा परिवार।

-: प्रतिष्ठान :-

❍ मनीष इंटरप्राइजेज (ए क्लास इलेक्ट्रिकल कांट्रेक्टर) ❍ मनीष छाबड़ा एंड कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ❍ एस. आर. ब्रदर्स (इलेक्ट्रिक सामान के विक्रेता) ❍ रवि एंटरप्राइजेज (ए क्लास इलेक्ट्रिकल कांट्रेक्टर)

1008 श्री दि. जैन शांतिनाथ चैत्यालय, इंजीनियरिंग कॉलोनी, मान्यावास मानसरोवर, जयपुर मो. 9314019230, 9928012288

वैशाली नगर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का चौथा दिन

दीक्षा कल्याणक महोत्सव की क्रियाएं देख श्रद्धालु हुए भाव विभोर

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर के नर्सरी सर्किल स्थित जानकी पैराडाइज में आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के ससंघ के पावन सानिध्य में श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के प्रथम तल पर नवनिर्मित जिनालय का श्रीमज्जिनेन्द्र महावीर जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव विश्व शांति महायज्ञ के चौथ दिन शनिवार को दीक्षा कल्याणक महोत्सव क्रियाएं सम्पन्न हुई। इस दौरान तपकल्याणक की क्रियाओं को देखने के लिए जहां सूमचा जैन समाज उमड़ पड़ा, वहीं ख्याति प्राप्त जैन भजन सम्राट रूपेश जैन भजनों की स्वर लहरियों पर देर रात तक झुमाया। आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष गजेंद्र बडजात्या ने बताया कि आज सुबह महोत्सव के तहत दीक्षा महोत्सव की क्रियाएं हुई,जिसके तहत जिनेंन्द्र दर्शन,ध्यान,प्रार्थना व शांति जाप्य के बाद शांति हवन के बाद जन्मकल्याणक पूजा हुई। पूजा के दौरान गूंज रही आया मंगल दिन मंगल अवसर पर...जैन धर्म के हीरे मोती...जैसे भजनों पर सौधर्म इन्द्र बने प्रवीण-प्रिया बड़जात्या व अन्य इन्द्राणी भाव विभोर होकर नृत्य किया। इस दौरान कुबेर इन्द्र नमन व रिचा जैन हरियाणा वाले भोगोपभोग सामग्री प्रभु सेवा में ,युवराज अभिषेक सहित अन्य क्रियाएं सम्पन्न हुई। इस अवसर पर हुई धर्म सभा में आचार्यश्री सुनील सागर जी महाराज ने कहा कि इस शरीर को जितना मथोगे, त्याग करोगे उससे तुम्हारा जीवन धर्ममय हो जाएगा। आचार्य ने कहा कि तप, त्याग करने से हर व्यक्ति तीर्थंकर बन सकता है।जो धर्म की शरण आता है वह शीघ्र भव पार हो जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान के जीवन में किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं हुआ था। उनके पुण्य का अतिशय इतना प्रबल होता है कि उनका सब कुछ ठाठ बाट की तरह होता है। जिनके जीवन में किसी प्रकार का अभाव नहीं था फिर भी उन्होंने दीक्षा ली। भीतर से सबकुछ पाने के लिए मैंने दीक्षा ली। मनुष्य के जीवन में दुःख का कारण उसके मन में आशा और तृष्णा के भाव हैं जो विकारों को जन्म देते हैं। उससे बचने के लिए विकारों को त्यागना होता है। उन्होंने यह भी कहा कि आत्मशुद्धि का एक मात्र मार्ग तप है। आत्मा के भरोसे से जीने वाला भगवान बनता है। भगवान भाग्यवान थे। शक्ति के अनुरूप तप, त्याग करना है। और आत्मा का उद्धार करना है। भगवान के मार्ग को पाओ, वो एक दिन भगवान बन जाता है। इस मौके पर जयपुर नगर निगम ग्रेटर की महापौर डॉ.सौम्या गुर्जर ,पार्षद राजू अग्रवाल,प्रमोद पहाड़िया एआरएल,सुधीर गोधा ने आचार्यश्री से आशीर्वाद लिया।

भजन सम्राट रूपेश जैन ने सुनाए सुंदर भजन: महोत्सव समिति के महामंत्री राजेश पाटनी ने बताया कि महोत्सव के तहत

इसी दिन दोपहर में महाराज सिद्धार्थ बने अशोक-संतोष पाटनी व सौधर्म इन्द्र संवाद,युवराज पद स्थापना,वैराग्य उत्पत्ति, दीक्षाभिषेक, वन गमन व भगवान की दीक्षा विधि की क्रियाएं सम्पन्न हुई। इसीदिन रात्रि में भजन सम्राट रूपेश जैन की भजन संध्या हुई। इस मौके पर भजन सम्राट रूपेश जैन ने कौन कहता है कि भगवान आते नहीं....खुशियां पता पूछती है...तूने खूब दिया भगवान...जैसे भजन सुनाए और श्रद्धालुओं को भक्ति और आस्था की त्रिवेणी में डुबकी लगवाई।

आज ज्ञानकल्याणक की क्रियाएं और साम को होगा कवि सम्मेलन: मुख्य संयोजक विकास बड़तात्या ने बताया कि महोत्सव के तहत रविवार को सुबह 6 बजे से ज्ञानकल्याणक की क्रियाएं शुरू हो जाएगी,जिसके तहत सुबह 7.30 बजे दीक्षा कल्याणक पूजा व आचार्यश्री के प्रवचन के बाद सुबह 9.30 बजे महामुनिराज वर्धमान की आहारचर्या के बाद दोपहर 12.30 बजे ज्ञानकल्याणक की अभ्यंतर क्रियाएं, सूरिमंत्र, ज्ञानकल्याणक पट्टोदघाटन, 46 दीपकों से महाआरती, के समवषरण के लिए विहार,गणधर स्थापना, दिव्य देशना की जाएगी। इसी दिन रात्रि 8 बजे कवि सम्मेलन होगा।

कैपिटल संगिनी फोरम ने सजाई सितारों की महफिल

जयपुर. शाबाश इंडिया

कैपिटल संगिनी फोरम द्वारा शुक्रवार को मालवीय नगर स्थित हयात होटल में सितारों की महफि ल कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला पांड्या ने बताया कि संस्थापक अध्यक्षा विनीता जैन के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में सदस्याओ ने माधुरी दीक्षित -अनिल कपूर, धर्मेंद्र -हेमा मालिनी, अमिताभ -रेखा, काजोल-शाहरुख, राजकपूर -नर्गिस, ऋषि कपूर -नीतू सिंह, शाहिद -दीपिका, गोविंदा- करिश्मा कपूर,राजेश खन्ना -मुमताज की जोड़ी में व जीनत अमान, करीना, लीना चंद्रावकर, मीना कुमारी, आलिया भट्ट,आदि बालीवुड सितारों के गेटअप में किरदार निभाया। मंच संचालन सचिव अलका जैन ने किया व नयी सदस्याओं का स्वागत मीना चौधरी व समता गोदिका द्वारा किया गया। सभी सदस्याओं को बालीवुड टाईटल सपना गोदिका द्वारा दिए गए। अलका जैन व शकुंतला पांड्या ने कहा कि सदस्याओं की छुपी हुई प्रतिभा को सामने लाने के लिए हम समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम करते रहते हैं जिसमें कार्यकारिणी सदस्यों के सहयोग से सभी सदस्य बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं।

रात्रि चौपाल में बही काव्य सरिता, गूंजी हास्य फुहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल की रात्रि चौपाल दोस्ती से सेवा की ओर मे होली के बाद काव्य गोष्ठी वेबिनार के माध्यम से आयोजित की गई। गोष्ठी में डा आदित्य जैन कोटा ने भारतीय संस्कृति, होली और बेटी पर कई रचनाएं सुना कर श्रोताओं को खूब बांध कर रखा। महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने बताया की गोष्ठी मे डा आदित्य जैन ने राजनैतिक कटाक्ष वाली हास्य रचनाएं सुनाकर सभी वीर विराओ को हास्य से लोट पोट कर दिया। आयोजन मे अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन, सेक्रेटरी जनरल अशोक गोयल, वाइस प्रेसिडेंट गौतम राठौड़, जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन, जोन सचिव विनोद दोसी, गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया, सुरेश गांधी, कल्पना दोसी , अशोक भंडारी सहित 92 से अधिक साथी सदस्य उपस्थित थे। संचालन गणपत भंसाली ने किया, आभार अनिल जैन ने व्यक्त किया।

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जैन मन्दिर संघीजी में विशाल रक्तदान शिविर आज

3 अप्रैल आदिनाथ जयंती पर निकलेगी रथयात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जैन मन्दिर संघीजी सांगानेर में श्री आदिनाथ जयंती महोत्सव में रविवार 31 मार्च को प्रातः रक्तदान शिविर व शाम को 48 दीपो से भक्तामर अनुष्ठान होगा तथा 2 व 3 अप्रैल को आचार्य सुनील सागर जी महाराज के सानिध्य में होंगे अनेक कार्यक्रम । आदिनाथ जन्मकल्याणक धूमधाम से मनाया जाएगा। इस महोत्सव के लिए परम पूज्य आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश 2 अप्रैल कों होगा व 3 को आदिनाथ जयंती महोत्सव के लिए रथयात्रा निकाली जाएगी। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में चल रही है। महोत्सव की जानकारी देते हुए मंदिर प्रबंध समिति के मानद मंत्री नरेन्द्र पांडया ने बताया कि महोत्सव के तहत रविवार, 31मार्च को प्रातः रक्तदान शिविर तथा शाम को 48दीपो से भव्य भक्तामर अनुष्ठान , 2 अप्रैल को सुबह 7.30 बजे देवाधिदेव भगवान आदिनाथ की कलषाभिषेक व शांतिधारा होगी। इसके बाद सुबह 8.30 बजे परम पूज्य आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश होगा।इस मौके पर आचार्यश्री की पद-प्रच्छालन व आरती उतारकर अगवानी की जाएगी। इसके बाद आचार्यश्री के मांगलिक प्रवचन होंगे। इसी दिन दोपहर में 1.15 बजे संगीतमय भक्तामर विधान होगा। इसी दिन शाम को 7.30 बजे 2100 दीपकों से दीपोत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी से सजाया जाएगा। पांडया ने बताया कि महोत्सव के तहत 3 अप्रैल को आदिनाथ जयंती के अवसर पर सुबह 7.15 बजे मंदिर संघी जी से भव्य लवाजमें के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा सांगानेर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सीटी बस स्टेंड होती हुई मंदिर आकर समाप्त होगी। इसके बाद ध्वजारोहण व देवाधिदेव भगवान आदिनाथ की कलशभिषेक व शांतिधारा होगी। इसके बाद आचार्यश्री के मांगलिक प्रवचन,अतिथियों को सम्मान के बाद आचार्य संघ की आहार चर्या, व शाम को 1008 दीपकों से भव्य आरती की जाएगी।

जैन बैंकर्स फोरम का समाज जागरूकता का एक प्रयास

समाज के प्रोफेशनलस की बुद्धिमता का समाज हित में हो उपयोग: आचार्य सुनील सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन बैंकर्स फोरम जयपुर द्वारा सामाजिक दायित्व के निर्वहन की कड़ी में वैशाली नगर जयपुर में चल रहे पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर शुक्रवार को साइबर अपराधों से बचने के उपायों पर आचार्य सुनील सागर जी के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे हजारों की संख्या में समाज के पुरुष व महिलाओं की सहभागिता रही। एस बी आई की सुश्री रुचि बियानी एवं आईसीआईसीआई बैंक के सौरभ जैन एवं मनीष कुमार द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी के तरीके एवं इनसे बचाव के उपाय पर विस्तार से समझाया। विशाल स्क्रीन पर पीपीटी के माध्यम से चर्चा में बताया कि प्रतिदिन 30000 से अधिक साइट्स हैक होती है। फिशिंग, यूपीआई, क्यू आर कोड, लॉटरी, ओएलएक्स, रियल एस्टेट, कुरियर, ऑनलाइन अपॉइंटमेंट , एटीएम, ऑनलाइन बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि विषयों पर धोखधड़ी होने के तरीके के साथ इनसे बचने के उपाय पर विस्तृत चर्चा की । साथ ही बताया कि पासवर्ड किसी से भी शेयर नहीं करना एवम धोखधड़ी होने, संभावना होने पर फोन नंबर 1930 पर तुरंत शिकायत दर्ज करवाने हेतु सचेत किया। आचार्य श्री ने आशीर्वचन में आचार्य ज्ञान सागर जी को याद करते हुए कहा कि अधिवक्ता, बैंकर्स, सनदि लेखाकार, डॉक्टर, इंजीनियर्स, शिक्षविदों आदि बौद्धिक श्रेणी के संगठन की समाज को बहुत आवश्यकता है ।ऐसे लोगो की बुद्धिमत्ता का समाज एवं देश हित में उपयोग होना चाहिए।